नदी पर पुल

अनीता

अनीता

नदी के किनारे एक छोटे से गाँव में
स्वेन नाम का एक आदमी रहता था.

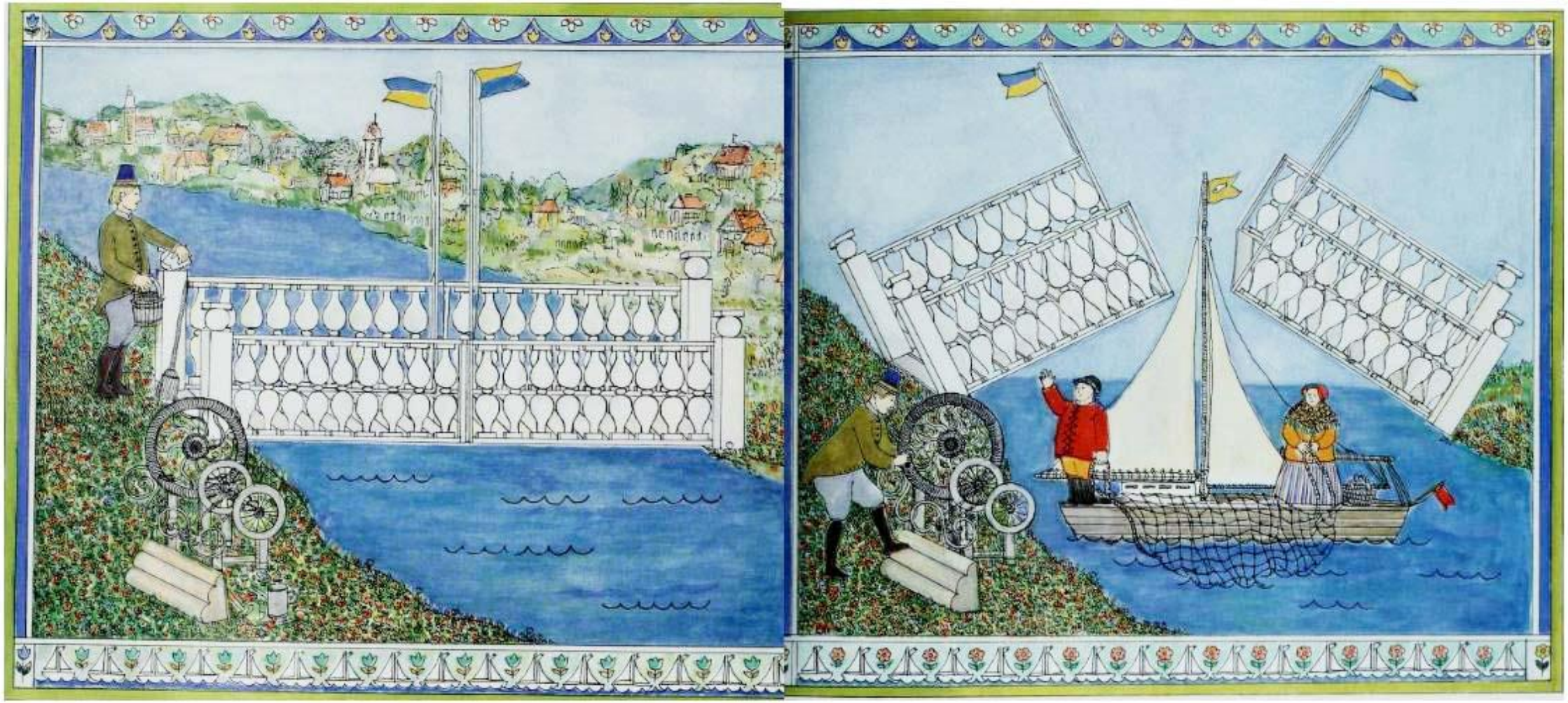

स्वेन एक खुलने वाले पुल - ड्रॉब्रिज पर चौकीदार का काम करता था. उसे वो काम बहुत पसंद था. हर रोज़ वो पुल को ध्यान से धोता था, साफ़ करता था और उसकी मशीनरी में तेल डालता था.

जब नावें पुल के नीचे आतीं, तो उनके जाने के लिए वो पुल को खोलता था.

गाँव के लोग उस पुल का खूब आनंद लेते थे.
पुल की अच्छी देखभाल रखने के लिए वे स्वेन से भी प्यार करते थे.

गर्मी के दिनों में बहुत से लोग अपने दोस्तों से नदी
के दोनों किनारों पर मिलते थे.
"शुभ दोपहर, स्वेन," सभी लोग स्वेन से कहते थे.

सर्दियों में स्वेन अलाव जलाता था.

और सभी लोगों को गर्म चॉकलेट पीने को देता था.

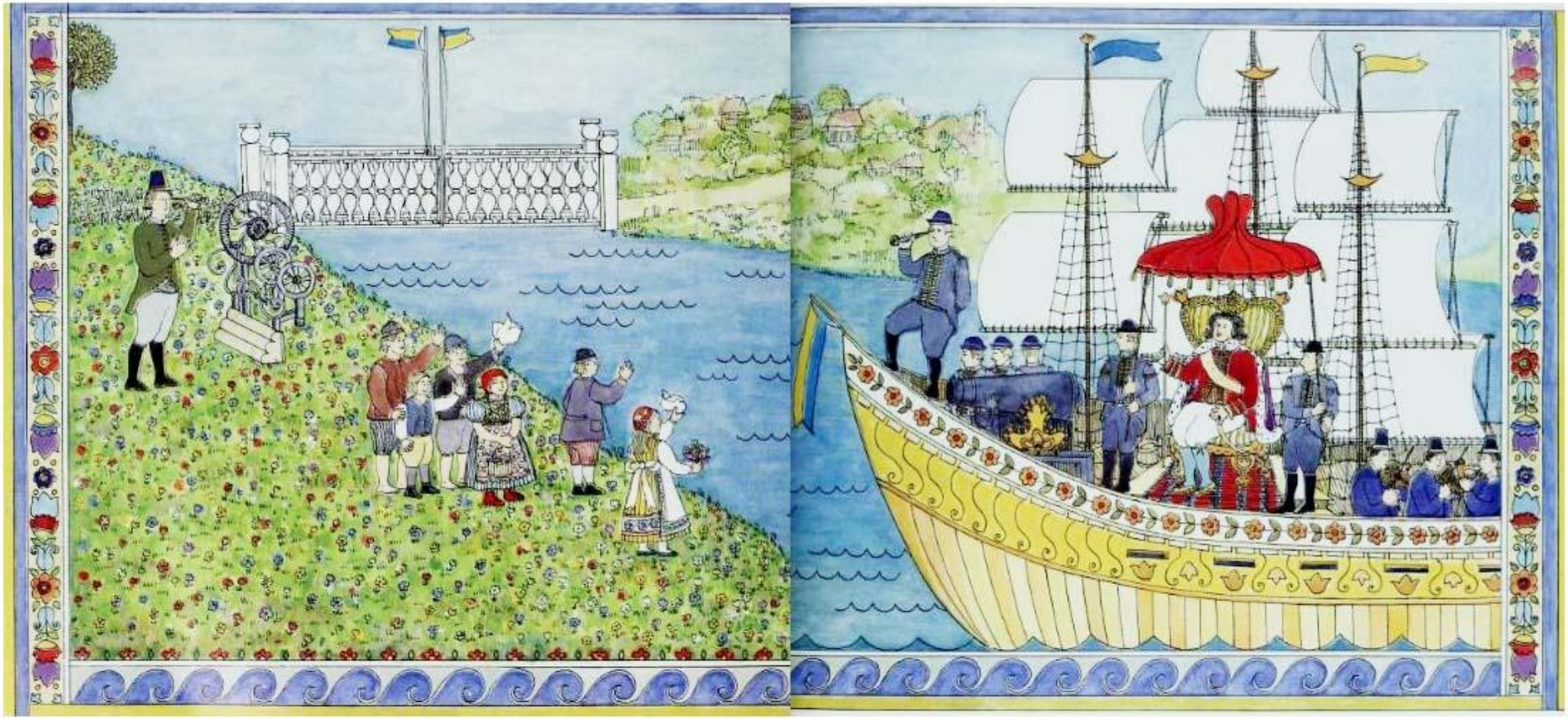

एक दिन एक बहुत बड़ी नाव नदी में आई.

"देखो, स्वेन, देखो," बच्चे चिल्लाए.

"देखो! राजा आ रहा है! राजा के लिए जल्दी पुल खोलो!"

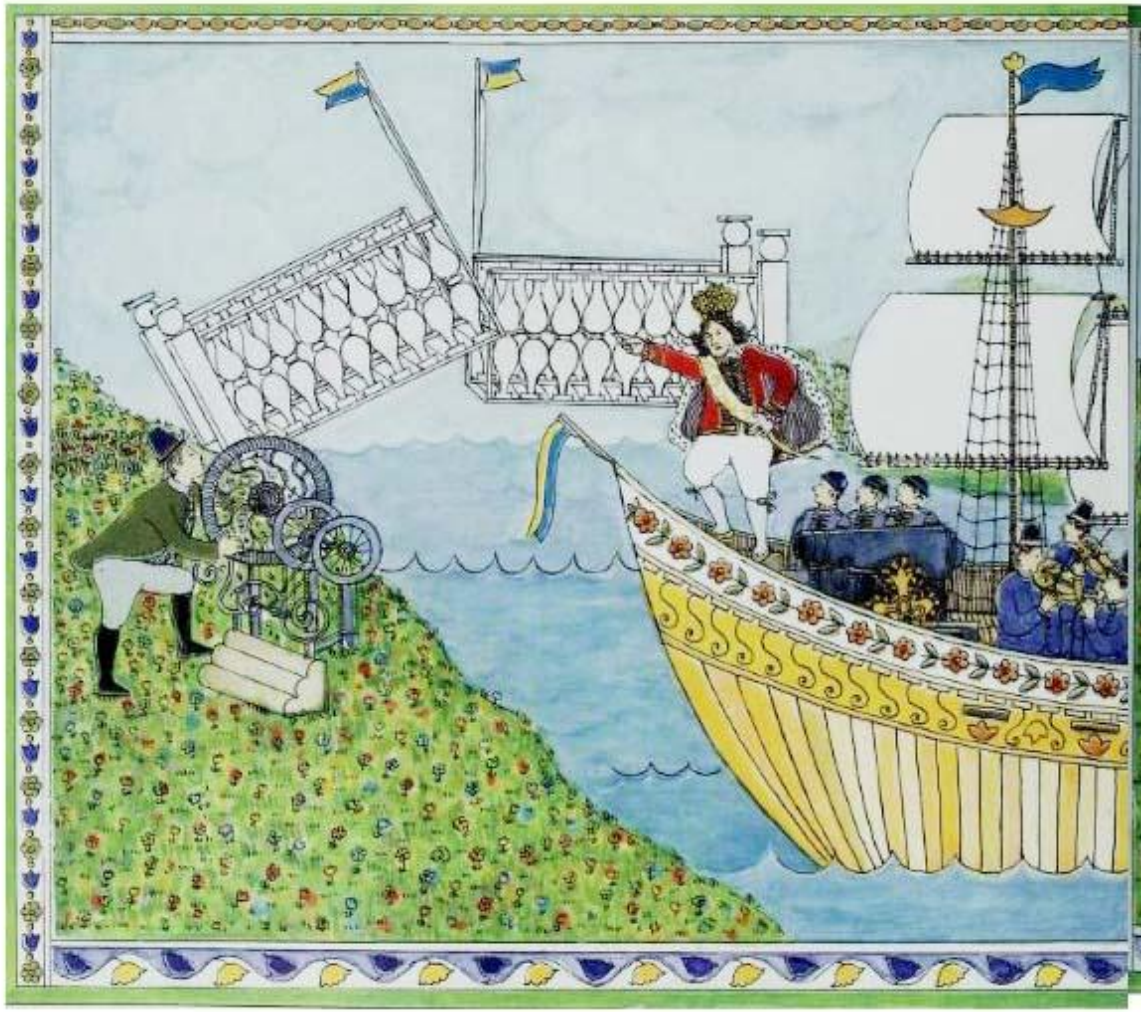

स्वेन अभी पुल को आधा ही खोल पाया था कि राजा गुस्से में चिल्लाया, "यह पुल के लिए एकदम गलत जगह है! इस पुल से यात्रियों को असुविधा होती है!"

"जल्दी करो जल्दी करो," उसने गुस्से में, अपने पैर पटकते हुए कहा. "अब मुझे अपने मेहमान की दावत में पहुँचने में देर हो जाएगी."

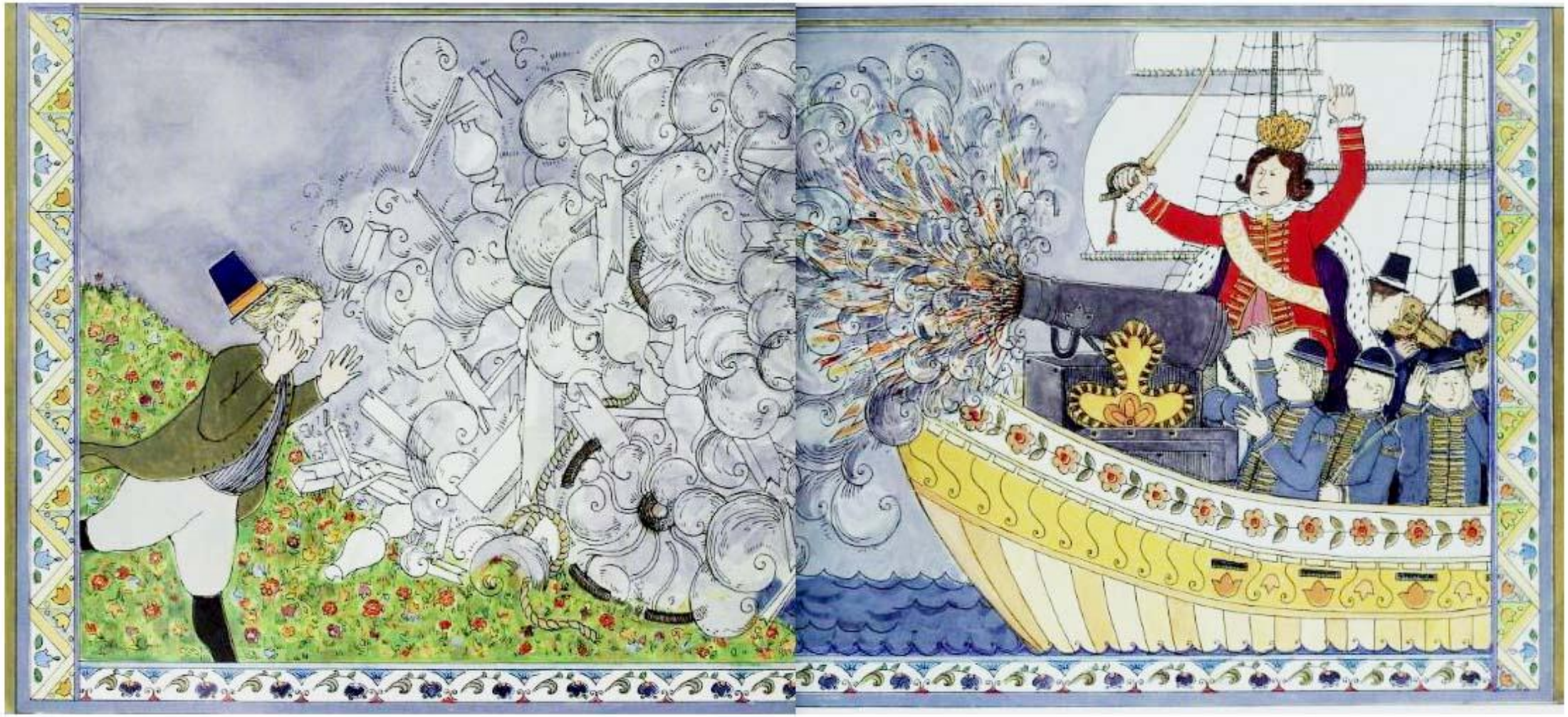

अचानक गुस्से में राजा ने अपना आपा खो दिया.

वह चिल्लाया, "फायर करो!"

तुरंत सैनिकों ने तोप दाग दी. . . .

और उन्होंने पुल को एक हजार टुकड़ों में उड़ा दिया.

महीनों तक लोगों ने पहले की तरह ही अपने दोस्तों से मिलने की कोशिश की. पर पुल के बिना यह यात्रा आसान नहीं थी.

फिर स्वेन ने एक नाव बनाई. वो दिन भर कड़ी मेहनत करके एक किनारे से दूसरे किनारे तक लोगों को नाव में लेकर जाता था. "जब पुल था तब यह काम आसान था. अब यह काम बहुत मुश्किल है," सभी लोगों ने कहा.

एक रात स्वेन को नदी के पार घोड़ों के खुरों की आवाज़ सुनाई दी.
राजा किसी पार्टी के बाद अपने घर लौट रहा था.

लेकिन रात अंधेरी थी, और राजा का कोचवान थका हुआ था. और इससे
पहले कि कोई चिल्लाता, "रुको!," शाही गाड़ी नदी में धड़ाम गिर गई थी.

स्वेन लोगों को बचाने के लिए तुरंत पहुंचा.

जब स्वेन ने अपनी नाव में राजा को बैठाने की कोशिश की तो
महामहिम ने पूछा, "इस जगह पुल क्यों नहीं है?
पुल के बिना नदी को पार करना बहुत मुश्किल होगा!"

लेकिन घर के अंदर राजा ने स्वेन को पहचान लिया. फिर राजा को याद आया कि वहां कोई पुल क्यों नहीं था. "इसमें मेरी ही सारी गलती है," राजा ने उदास होकर कहा. उसके बाद स्वेन ने सब लोगों को हॉट चॉकलेट और दालचीनी के बन्स खाने के दिए. गर्म पेय पीने के बाद लोग खुश हुए. अचानक राजा के दिमाग में एक शाही विचार आया.

महामहिम ने घोषणा की, "शाही बिल्डर यहाँ पर एक नए पुल का निर्माण करेंगे." "उससे यह यात्रा फिर से बहुत आसान बन जाएगी," स्वेन ने अपनी सहमति जताते हुए कहा. फिर उसने राजा को एक और कप हॉट चॉकलेट पीने को दिया.

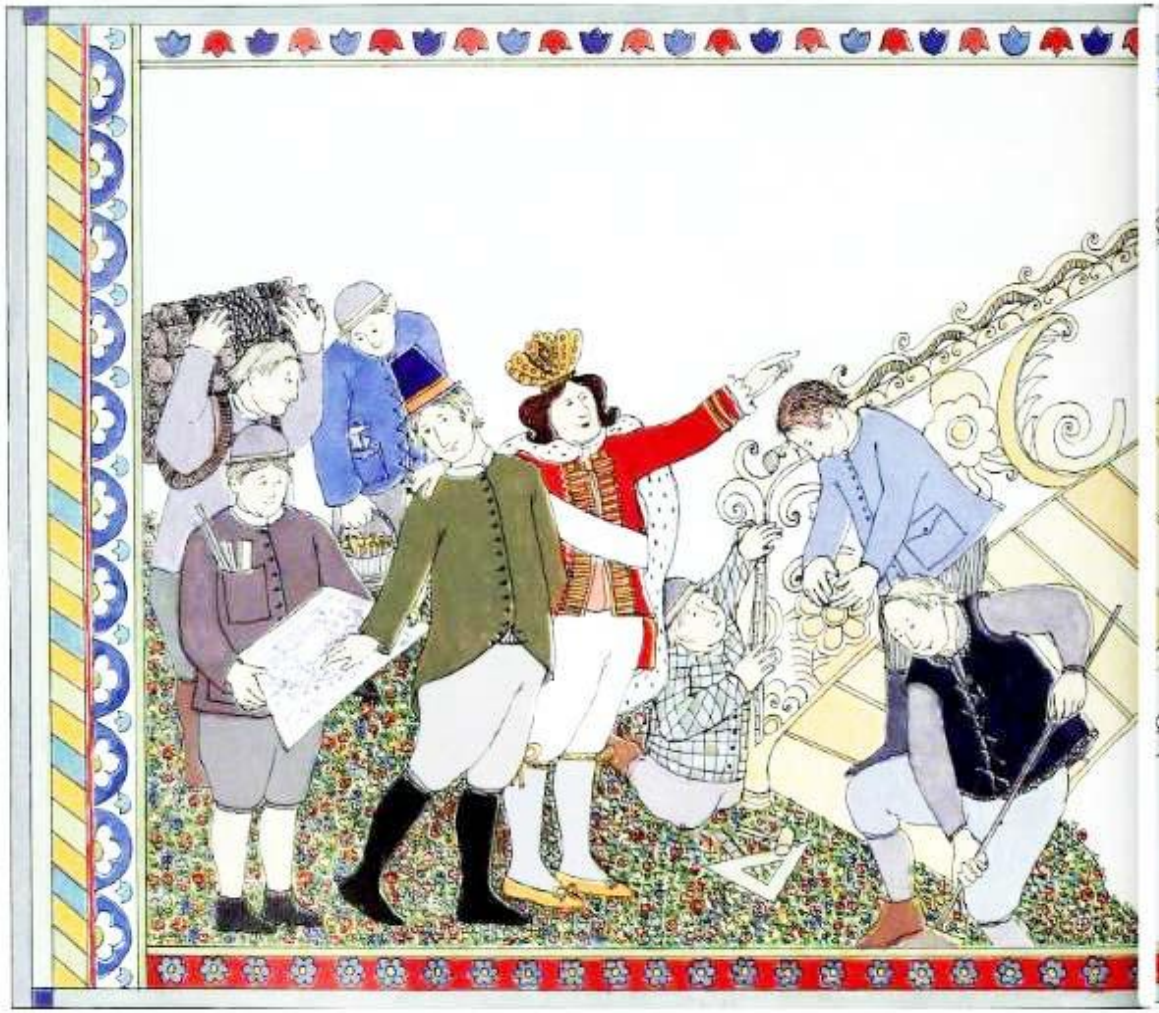

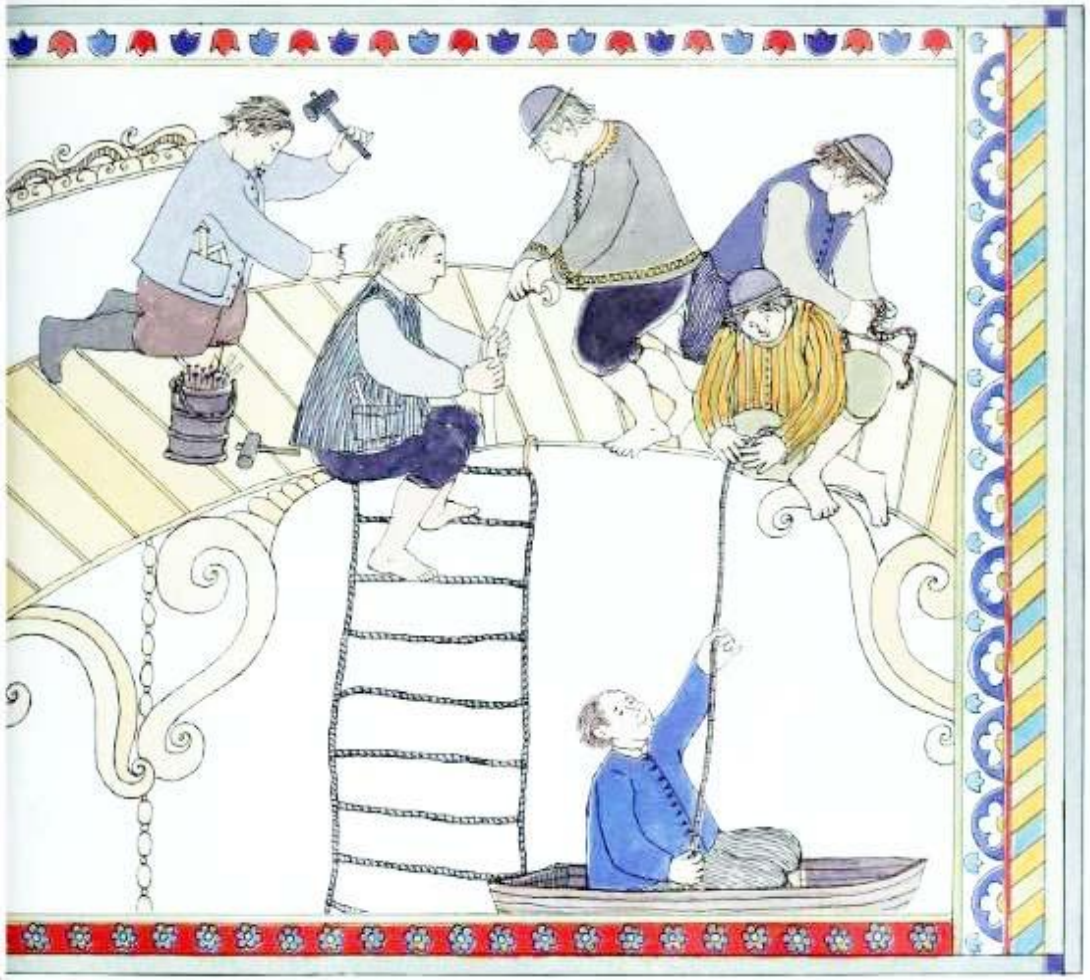

अगले दिन नए पुल पर काम शुरू हुआ.

"पुल बहुत ऊंचा होगा," राजा ने समझाया. "फिर जब मेरी नाव उसमें से गुज़रेगी तो पुल को खोलने की ज़रुरत नहीं पड़ेगी."

"यह तो बहुत अच्छा होगा," स्वेन ने कहा.

पुल बहुत लंबे समय तक टिकने वाला होगा.

जब नया पुल समाप्त हुआ, तो नदी के दोनों किनारों पर
लोग जश्न मनाने आए.

उन्होंने फूल फेंके और राजा को अलविदा कहा.
उन्होंने अपने दोस्तों को चूमा और फिर वे सुबह होने तक नाचे.

स्वेन को नए पुल की देखभाल करना बहुत पसंद आया. स्वेन पुल को हर दिन साफ़ करता था. और हर शाम, सूरज ढलने के बाद, वो पुल पर चमकीली लालटेन लटकाता था, ताकि यात्रियों को अंधेरे में घर जाने का रास्ता मिल सके.

समाप्त